ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

7-06-2024

अभी सहज और सदा के कर्मयोगी अर्थात् निरन्तर निर्विकल्प समाधि में रहने वाले सहज योगी बनो। जो सदा कर्मयोगी रहते हैं वह सदाचारी रहते हैं। जैसे धर्म और कर्म, दोनों को अलग नहीं कर सकते। कोई भी कर्म करते हुए धर्म अर्थात् धारणा भी सम्पूर्ण हो। कर्म में जब बहुत बिजी रहते हो, तब धारणा भी इतनी रहे। दोनों तराजू का तरफ एक समान रहे, तब कहेंगे श्रेष्ठ वा दिव्य बुद्धिवान, कर्मयोगी आत्मा।

Be a karma yogi.

Now, be an easy and a constant karma yogi, that is, be an easy yogi who constantly stays in the samadhi (contemplation). Those who always remain karma yogis are virtuous. You cannot separate dharma (religion) and karma (action). While performing any action, let your religion, that is, your dharna, be complete. When you are very busy in your actions, then let your dharna also be just as much. Let the two sides of the scale be equal, then you will be said to be elevated and one with a divine intellect, a karma yogi soul.